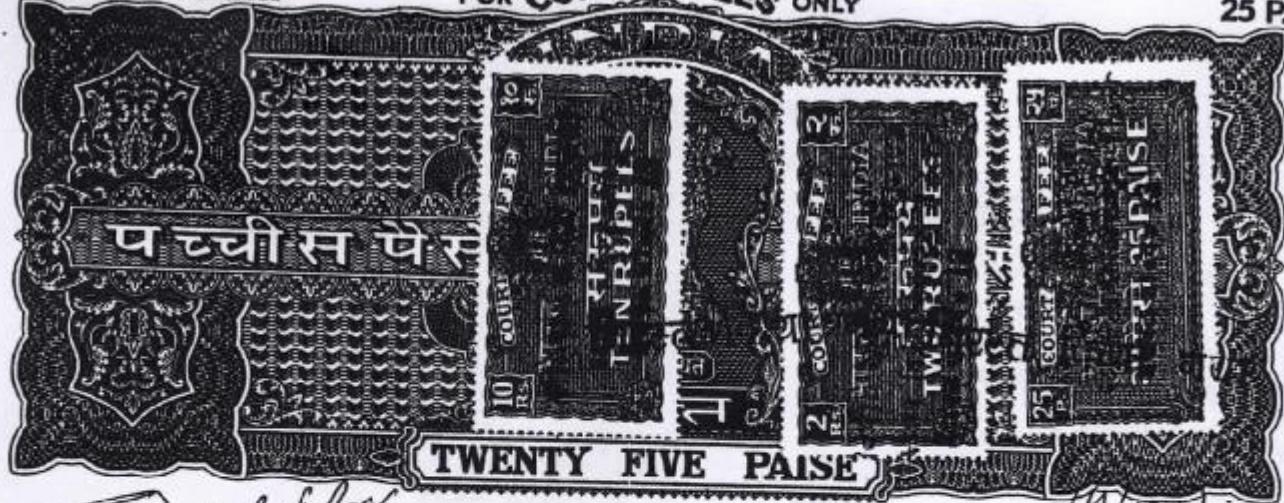


UTTAR PRADESH

FOR COPYING FEES ONLY

25 P.



प्रक्रिया दर

प्राप्ति का दर

प्रतिवेदन का दर

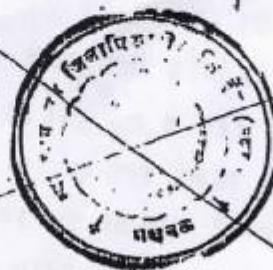
प्रतिक्रिया का दर

केवल नकल की फीस के लिए

आवश्यक स्थाप्य सहित प्राप्ति का पत्र देने की तारीख Date on which application is made for copy accompanied by the requisite stamps.	नोटिस बोर्ड पर नकल तैयार होने की सूचना की तारीख Date of posting notice on notice board.	नकल वापिस दिए जाने की तारीख Date of delivery of copy.	नकल वापिस देने वाले अधिकारी का हस्ताच्छर Signature of official delivering copy.
25-11-02	20-11-02	20-11-02	

प्रक्रिया दर 25-11-02 प्राप्ति का दर 20-11-02 नकल वापिस दिए जाने की तारीख 20-11-02
प्रक्रिया दर 25-11-02 प्राप्ति का दर 20-11-02 नकल वापिस दिए जाने की तारीख 20-11-02

प्रक्रिया दर 25-11-02 प्राप्ति का दर 20-11-02 नकल वापिस दिए जाने की तारीख 20-11-02



સાતાથીમણ જી પિંગર્પાલે હતે, હનુમાન માટે દોષાદી

प्राद नियम ३६/०२-०३

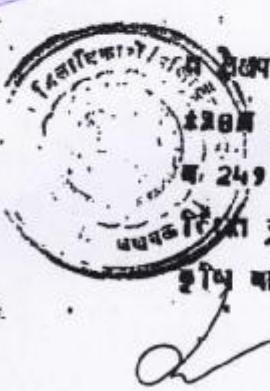
पाठा 143 देव० स० रुम० ग्रा० रुवटे
 जीर्ण लोगा० परगना० गोदावीर ये विला० मध्यन्ते
 ब्रौमती० विष्णुवती० देवी० वासुदामसी० तात
 स्वरूपेश्वर तोडाडी० हारा० अंकुषा० ब्रौमती०
 अंकुषादाता० कनास० चौपूतमा०

आदेश.

प्रसूत कार्यालयी भौमती पिपलदेवी बालुरामगढ़ी तालुक अजमेश्वर तोताडी
रविस्टर्ड नं 01373 लालीतप बालु क्षात्रीदात नगर नक्कल बाला क्षेत्र भौमती
अलबादसे प्राथमा-वत्र दिनांक 24-6-02 के प्राथमा-वत्र के अपार पहले प्राथम
हुआ। जितके द्वारा पादिनी ने अपगत बताया है कि भूमि तंत्रया 249 एकड़ा
0.519, व गटा तंत्रया 250 एकड़ा 0.582 व 245 एकड़ा 0.262 व गटा तंत्रया
253 एकड़ा 0.440 व गटा तंत्रया 233 एकड़ा 0.365 है। इनका ग्राहक देवता
परगना शताल व जिला नवनज का मानिक छातिका व दलील है। इस कि
उपर्युक्त भूमि पर तमीन ने पिपारीधियों को निधार है। इमारत काया रखा है।
उपर्युक्त भूमि पर पिपारीधियों को जिला प्रदान की जा रही है। उभा प्रार्थियों
के बत भूमि का उपर्युक्त पिपारीधियों को निधार प्रदान किए जाने हैं। इनका जामेना
तालुक उपर्युक्त भूमि का उत्तरोग अहींधिक हो रहा है। उभा भवितव्य में भी इष्ठि
उपर्युक्त वृत्ति को तम्मापना नहीं है।

प्रार्थना-वत्र की जयि तहतीलदार तदर में बदाई गई। तहतीलदार तदर
से आनी आव्या दिनांक 11-9-02 द्वारा अधिकार लाभापात्र है तो ग्राम लेपरा
पदगति तहतील व चिता तहतील के ग्राम तदर पर 245 रुपया 0.262 हेठों व 235
रुपया 0.182 हेठों व 243 रुपया 0.377 हेठों पर ग्राम तदर पर 249 रुपया
0.519 व 253 रुपया 0.440 तुल 5 रुपया तुल रुपया 1.780 हेठों स्थान उड़ीसिंह
है चिता वर बाउल्ही पात्र का रही है। इधीप्रयोग सहारा देश का रुपया है।
तहतीलदार में अन्यी आव्या दिनांक 11-9-02 द्वारा उड़ीसिंह द्वीप स्थान
143 रुपया 0.00 रुपया 0.00 रुपया के अन्तर्गत इधीप्रयोग में भूमि उड़ीसिंह द्वीप स्थान
उड़ीसिंह की गई है।

आतः प्राप्ति पर उपलब्ध ग्रहीतदार तदों की अवधि दिनों^३ ११-०८
प्रथमांश के वर्षास तथा तीन अंगूष्ठों के द्विशीतम के अपार हैं तदों तीन
२३८ २४५ रक्षा ०.२६२ है ०.५ २३३ रक्षा ०.१८२ ५ २४३ छिं रक्षा ०.३१ है
५ २४९ रक्षा ०.५१९ ५ २५३ रक्षा ०.४४० है ०.३८ ५ छिं रक्षा १.७८० है
द्वितीय ग्राम लेपरा वृद्धना ग्रहीत चिंता तथांशु मात्रायुक्तांशी ६० वा के अनुसार
कृष्ण वर्षापानों पर प्रथमांश ते ग्रहीत द्वयोऽन् भूमध्या ग्रहीत चिंतायांशे।



ପ୍ରମୀଳୀ 2-

[2]

प्रयोग की एक त्रृतीय उषा निष्पत्ति है पात मिथा १०८ ते १५८ दी है। लेकिं
जाय। गाथा जादेश का इम्ब्रुप लालीमोरे में दिर चाने हैं। परवाना अगलदारामध्य
नारी है। पाय जावायक लायपाटो लत्रापली दाखिल दफ्तर हो।

दिनांक: २५ नवम्बर, 2002

Dr. २५/११/०२
आरोपीति
उषा चिकित्सारी तदर,
तहनऊ।



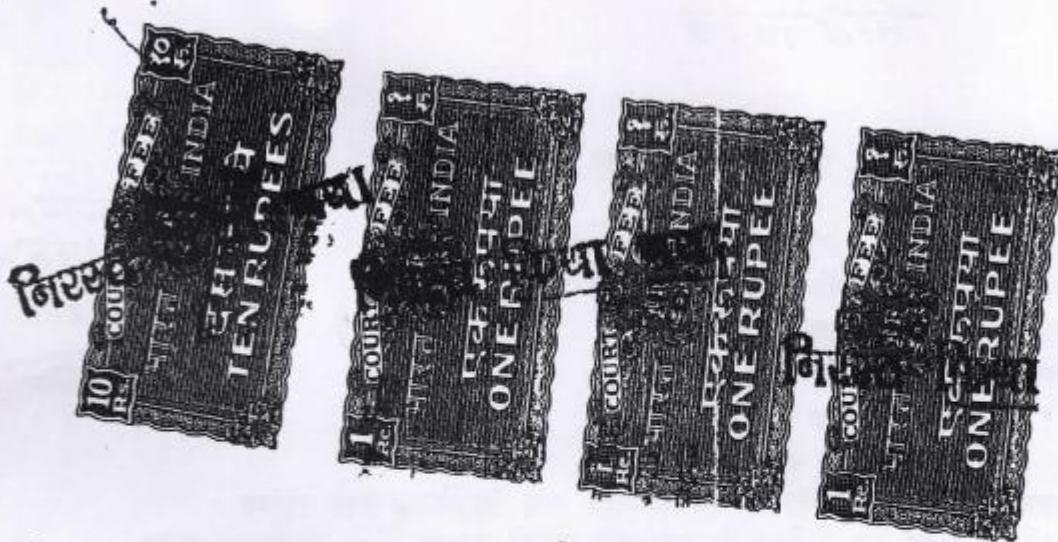
बच्चे प्रारंभना-पश देने की तिथि: २५/११/०२
बच्चे तैयार करने की तिथि: २८/११/०२
बच्चे रहने वाले दो दिनों की तिथि: २९/११/०२
प्रतिविधि: १२.३४
यात्रा की तिथि: ३०/११/०२

प्रमाणित प्रतिलिपि

Signature २८/११/०२
राम चिकित्सारी/मेजिस्ट्रेट
(दर) लखनऊ।



143-NIIT-4



13-6-0
4

220
23-4-04

ग्रामी

नाम ग्रामी 15-4-05 प्र० 143 नितों का
सहायता वापरे 36/04/05 वापरे 143 नितों
का उपयोग वापरे 36/04/05 वापरे 143 नितों
का उपयोग वापरे 36/04/05 वापरे 143 नितों
का उपयोग वापरे 36/04/05 वापरे 143 नितों



कामा छात

न्यायालय उप जिलाधिकारी सदर, लखनऊ।

२०१८ व
२०१८ न.
२२९
२३५१०४

वाद संख्या-36/04-05
श्रीमती विद्यावती बनाम सरकार
धारा-143जे0ए0एल0आर0एम्ट
ग्राम-सेमरा, परगना, तहसील
व जिला लखनऊ।

निर्णय

प्रस्तुत वाद कार्यवाही डा० वी०पी० रिन्हा सचिव, श्रीमती विद्यावती देवी बाबू रामजी लाल एज० सोसाइटी, 106, पुराना किला, लखनऊ के प्रार्थना-पत्र दिनांक 09.01.04 के आधार पर पारम्पर हुई, जिसमे कहा गया कि खसरा सं० 296 रकबा 0.367 हे०, 233 रकबा 0.365 हे०, 243 रकबा 0.755 हे० 287 रकबा 0.143 हे० 289 रकबा 0.367 हे० 290 रकबा 0.142 हे० 293 रकबा 0.128 हे० 294 रकबा 0.148 हे० रिथंत ग्राम सेमरा, परगना, तहसील व जिला लखनऊ की समिति संक्रमणीय भूमिधर उक्त भूमि का कृषि हेतु प्रयोग नहीं विच्या जा रहा है, बल्कि विद्यालय भवन निर्माण कार्य जारी है। अतः इसे अकृषिक भूमि घोषित कर दिया जाये।

प्रार्थना-पत्र की जाँच तहसील सदर से कराई गई। तहसीलदार सदर की रिपोर्ट आख्या दिनांक 10.10.04 के अनुसार ग्राम सेमरा परगना तहसील व जिला लखनऊ के खतौनी पासली गाँव 1410 से 1415 के खसरा सं० 233 रकबा 0.365 हे० 243 रकबा 0.755 हे० 287 रकबा 0.143 हे० 289 रकबा 0.367 हे० 290 रकबा 0.142 हे० 293 रकबा 0.128 हे० 294 रकबा 0.148 हे० 295 रकबा 0.367 हे० कुल रकबा 2.415 हे० पर गवन निर्धारित है, जिस पर कोई भी कृषि से मम्बादेन कार्य नहीं हो रहा है तथा इसे कृषि प्रयोजन से असम्बद्ध घोषित किये जाने की संस्तुति की गई है। उक्त आख्या पर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं है। गूलेख निरीक्षक चिनहट द्वारा इस न्यायालय में आरिथत होकर सशपथ बयान किया गया कि उक्त गाँव संख्याओं पर कृषि कार्य नहीं किया जा रहा है। शिक्षण कार्य हेतु भवन का निर्माण किया गया है। उपरोक्त भूमि पर कृषि कार्य गत्या पालन बागबानी, कुक्कुट पालन कार्य नहीं हो रहा है उनके द्वारा अपनी आख्या की एक्ट की गई है। प्रश्नगत भूमि के उक्त क्षेत्रफल के सम्बन्ध में प्रस्तुत आख्या एवं राजरव निरीक्षक के विवाद के जाधार पर उक्त भूमि कृषि प्रयोजन से भिन्न प्रयोजन में प्रयुक्त किये जाने के कारण कृषि प्रयोजन से असम्बद्ध घोषित किये जाने के योग्य है।

आदेश

खसरा सं० 233 रकबा 0.365 हे०, 243 रकबा 0.755 हे०, 287 रकबा 0.143 हे० 289 रकबा 0.367 हे० 290 रकबा 0.142 हे० 293 रकबा 0.128 हे० 294 रकबा 0.148 हे० 295 रकबा 0.367 हे० कुल रकबा 2.415 हे० मालगुजारी 52.50 विधित ग्राम-सेमरा, परगना, तहसील व जिला-लखनऊ कृषि प्रयोजन से असम्बद्ध घोषित किया जाता है। खतौनी मे प्रवष्टि हेतु आदेश की एक प्रति तहसीलदार सदर, लखनऊ को तथा आदेश की एक प्रति पंजीयन हेतु निबन्धक लखनऊ को पेपित है। पत्रावली आवश्यक कार्यवाही के पश्चात अभिलेखागार में संचित हो।



(डा० अनिल कुमार)
उपजिलाधिकारी रादर,
लखनऊ।

143-N/17-6

स्टाम्प छार्ट

आज दिनांक 15.04.05 को आदेश में दस्तावेज एवं न्यायालय की मुद्रा से मुद्राकित कर खुले न्यायालय में उद्घोषित किया गया।

१८१७
अब०१५ नो
२२०
२३५५)

१८१७
(डा० अनिल कुमार)
उप जिलाधिकारी सदर,
लखनऊ।

प्रमाणित प्रतिलिपि

२३/४/०५
उप जिलाधिकारी/क्षितिस्थान
(सदर) लखनऊ।

प्रकल्प प्राप्ति रात्रि दी जिला:	<u>२३-६-५</u>
प्रकल्प हीदा:	<u>२३-६-५</u>
प्रकल्प:	<u>२३-५-५</u>
प्रतिलिपि:	<u>१३८०</u>
कलारों की वक्ता:	<u>५ ग्रा. वर्गान्तर</u>

प्रतिलिपि शर्ती: २३/५/०५
तुलगाहारी: २३/५/०५
तिथि: २३/५/०५

